ISSN 0976- 8300

विश्व आयुर्वेद परिषद् पत्रिका

वर्ष : 13 अंक : 11-12, सम्वत् : 2073 मार्गशीर्ष-पौष नवम्बर-दिसम्बर, 2016

संयुक्तांक

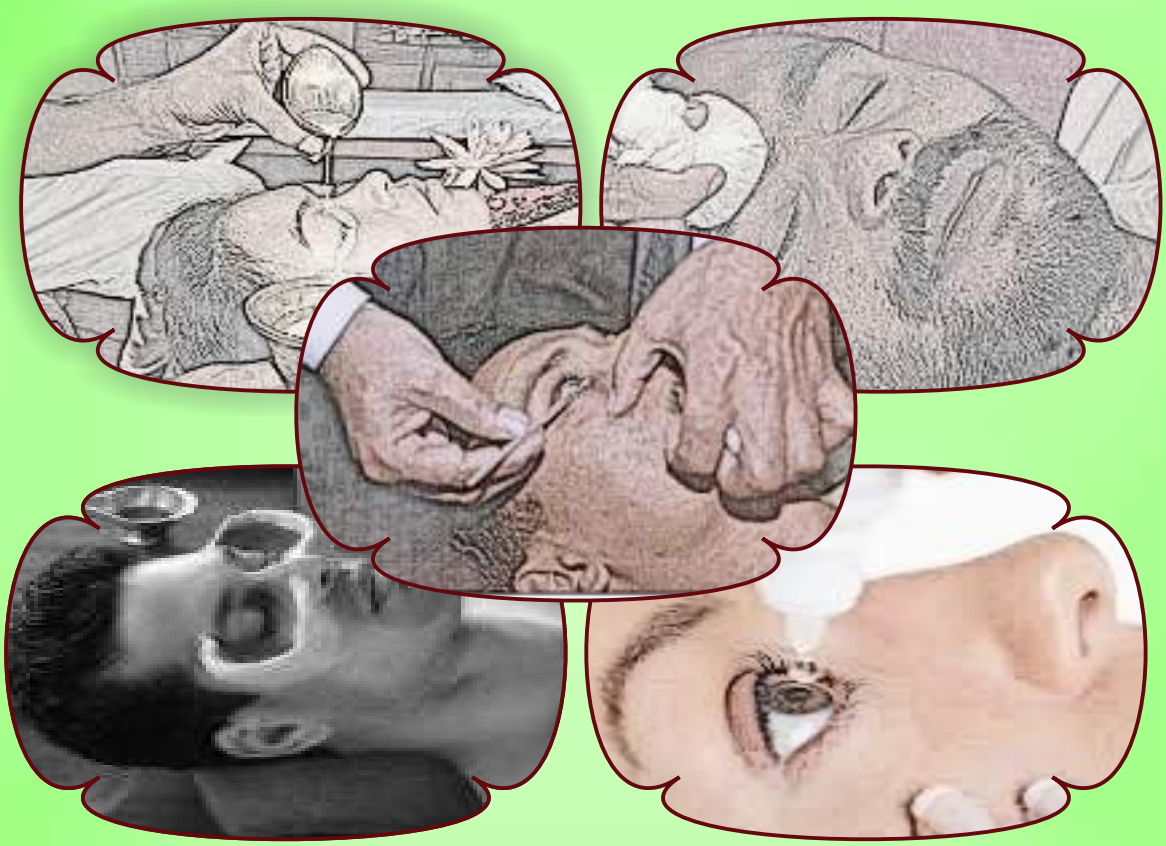

क्रियाकल्प

Website : www.vishwaayurveda.org

हेमन्त ऋतु

A Reviewed

Journal of Vishwa Ayurved Parishad

₹50/-

डॉ० गंगा सहाय पाण्डेय स्मृति अखिल भारतीय आयुर्वेद स्नातक प्रतियोगिता-२०१६
पुरस्कार वितरण एवं विशिष्ट व्याख्यान की झलकियाँ

भोपाल में उद्धवदास मेहता स्मृति अखिल भारतीय आयुर्वेद परास्नातक प्रतियोगिता - २०१६
पुरस्कार वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों की झलकियाँ

प्रकाशन तिथि - 15.12.2016 ISSN 0976- 8300
पंजीकरण संख्या - LW/NP507/2009/11 आर. एन.आई. नं. : यू.पी.बिल./2002-9388

देश के विभिन्न स्थानों में विश्व आयुर्वेद परिषद् की गतिविधियाँ

विश्व आयुर्वेद परिषद् के लिए प्रोफेसर सत्येन्द्र प्रसाद मिश्र, संरक्षक, विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित कराकर, 1/231 विराम खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 से प्रकाशित।

प्रधान सम्पादक - **प्रोफेसर सत्येन्द्र प्रसाद मिश्र**

विश्व आयुर्वेद परिषद पत्रिका
Journal of Vishwa Ayurved Parishad

वर्ष - 13, अंक - 11-12 मार्गशीर्ष-पौष नवम्बर-दिसम्बर - 2016

संरक्षक :
- डॉ० रमन सिंह (मुख्य मंत्री, छत्तीसगढ़)
- प्रो० योगेश चन्द्र मिश्र (राष्ट्रीय संगठन सचिव)

प्रधान सम्पादक :
- प्रो० सत्येन्द्र प्रसाद मिश्र

सम्पादक :
- डॉ० कमलेश कुमार द्विवेदी

सम्पादक मण्डल :
- डॉ० पुनीत कुमार मिश्र
- डॉ० अजय कुमार पाण्डेय
- डॉ० विजय कुमार राय
- डॉ० मनीष मिश्र
- डॉ० आशुतोष कुमार पाठक

अक्षर संयोजन :
- बृजेश पटेल

प्रबन्ध सम्पादक :
- जितेन्द्र अग्रवाल

सम्पादकीय कार्यालय :
विश्व आयुर्वेद परिषद् पत्रिका
1/231, विरामखण्ड, गोमतीनगर
लखनऊ - 226010 (उत्तर प्रदेश)
लेख सम्पर्क- 09415618097, 09336913142
E-mail - vapjournal@rediffmail.com
dwivedikk@rediffmail.com
drramteerthsharma@gmail.com

सम्पादक मण्डल के सभी सदस्य मानद एवं अवैतनिक है। पत्रिका के लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के हैं। सम्पादक एवं प्रकाशक का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है। आपके सुझावों का सदैव स्वागत है।

Contents

1- EDITORIAL **2**

2- STHOULYA VIS-A-VIS OBESITY
- Vivek Kumar Sharma, O. P. Gupta **3**

3- AYURVEDIC APPROACH TO SAFETY MEASURES AND DIET CARE DURING PREGNANCY
- Upasana, Vijay Shankar Dubey **7**

4- आयुर्वेदीय परिप्रेक्ष्य में विधीवैद्यक
- सुबोध जैन, रोहित कुमार कार्तिक शरद एम. पोरटे **11**

5- THE PRINCIPLE OF PANCHAKARMA WITH SPECIAL REFERENCE TO VAMANA KARMA
- Hena Khatoon, Mohd Ashraf Khan Rani Singh **18**

6- PREVENTION & CURE OF LIFE STYLE DISEASES
- Amrit godbole, Smela, Abhinav **25**

7- KRIYAKALPA – ONE OF THE BEST AYURVEDIC PROCEDURE OF THE EYE
- Durgesh Prasad Gupta, Shilpa Gupta **29**

8- PITTASTHAN SAMUDBHAVA TAMAKA SHWAS (BRONCHIAL ASTHMA)
- Poonam Sharma, O. P. Gupta **32**

9- SHUKRA DHATU: A CLOSER VIEW FROM AYURVEDA TREATISE
- Satej T. Banne, Hemant Toshikhane, Hetal Amin **34**

10- ASTA NINDANIYA PURUSHA AND ANESTHESIA OUTCOME
- Alok kr. Srivastava, Amit Singh **39**

11- CONCEPT OF TRIDOSHA IN PRESENT PERSPECTIVE
- Supriya Arora **43**

12- परिषद् समाचार **47**

परिषद् समाचार

वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस, कोलकाता में विश्व आयुर्वेद परिषद की सहभागिता

1 से 5 नवम्बर 2016, साइन्स सिटी, कोलकाता में वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस (विश्व आयुर्वेद सम्मेलन) का आयोजन सम्पन्न हुआ। विश्व आयुर्वेद परिषद भी इस सम्मेलन में सहयोगी सदस्य था। परिषद का एक स्टाल भी लगाया गया था। जिसमें परिषद की गतिविधियों एवं क्रार्यक्रमों से सबको अवगत कराया गया। लगभग 800 लोगों ने इस स्टाल से विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त की। परिषद की पश्चिम बंगाल की इकाई के डॉ0 पवन शर्मा के संयोजकत्व में श्री समदुर रहमान एवं श्री एस. के. श्रीवास्तव, सचिव के देखरेख में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्व आयुर्वेद परिषद के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र इकाई के डॉ0 अभिनव पाण्डेय, डॉ0 मृत्युन्जय, डॉ0 उत्तम जायसवाल, डॉ0 अनुज पाल, डॉ0 सुशील कुमार, डॉ0 विजेन्द्र कुमार, डॉ0 धर्मेन्द्र आदि का विशेष सहयोग रहा। स्टाल का उद्घाटन डॉ0 अशोक वार्ष्णेय सह संगठन मंत्री, आरोग्य भारती ने किया। स्टाल पर डॉ0 मनोज नेसरी, आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार, दिल्ली; प्रो प्रसन्ना राव, हासन; प्रो बलदेव धीमान, निदेशक आयुष, हरियाणा, प्रो0 पी.के. गोस्वामी, निदेशक, एन.आई.ए.एम.एच., शिलांग आदि का दिशा निर्देशन प्राप्त हुआ। प्रो0 एम.एल. जायसवाल, प्रो. बी.पी. शर्मा, प्रो0 आनन्द चौधरी, डॉ0 सी.एस. पाण्डेय, प्रो0 जी.पी. उपाध्याय की गरिमामय उपस्थिती रही। इस सम्मेलन में विश्व आयुर्वेद परिषद के देश भर से लगभग 300 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रो0 महेश व्यास, प्रो0 वेकटाचार्य, प्रो0 बलदेव धीमान, प्रो0 अश्विनी भार्गव, प्रो0 के.एस. धीमान, प्रो0 बी.एम. गुप्ता, डॉ0 अतुल बाबू वार्ष्णेय, प्रो0 यू. एस. चतुर्वेदी, डॉ0 एस.के. दूबे, डॉ0 के0के0 द्विवेदी आदि विशिष्ट आमत्रित सदस्य भी थे। दिनांक 2 नवम्बर 2016 को साइन्स सिटी में परिषद् के बंगाल इकाई के सौजन्य से आमत्रित सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें परिषद के क्रियाकलापों एवं आगे की रूपरेखा तय हुई। कार्यक्रम का संयोजन प्रो0 महेश व्यास एवं डॉ0 के.के. द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम को अध्यक्षता प्रो0 बी.एम. गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, वि0 आ0 प0 ने की। तिरूपति, में 12–13– फरवरी 2017 को होने वाले राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए भी विचार विमर्श किया गया।

डॉ0 गंगा सहाय पाण्डेय स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता–2016 पुरस्कार वितरण एवं स्मृति व्याख्यान सम्पन्न

विश्व आयुर्वेद परिषद् के तत्वावधान में भगवान धन्वन्तरि जयन्ती, डॉ0 गंगा सहाय पाण्डेय स्मृति आयुर्वेद स्नातक छात्र निबन्ध प्रतियोगिता–2016 का पुरस्कार वितरण समारोह एवं स्मृति व्याख्यान होटल डायमण्ड, भेलूपुर, वाराणसी में दिनांक 29/10/2016 को आयोजित किया गया। अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में सुप्रिया अरोड़ा, बाबे के आयुर्वेद महाविद्यालय मोगा, पंजाब को प्रथम पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण पदक, स्मृति चिन्ह, नकद तथा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार रजत पदक, नकद तथा प्रमाण–पत्र कुमार निधि अत्री, चौ0 ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली तथा तृतीय पुरस्कार कु0 प्रियंका काला, पंतजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार उत्तरांचल को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ धन्वन्तरि वन्दना, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से प्रारम्भ हुआ। आयोजन अध्यक्ष डॉ0 के0 के0 द्विवेदी ने स्वागत, डॉ0 रमेश गुप्ता आयोजन सचिव ने विषय स्थापना तथा डॉ0 दिनेश कुमार मीना ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मुख्य वक्ता प्रो0 राम हर्ष सिंह, का पद्मश्री अलंकृत किये जाने के उपलक्ष्य में अभिनन्दन किया गया। प्रो0 सिंह ने व्याख्यान देते हुए त्रिदोष के सिद्धान्त की आज के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता विषय पर अपना पक्ष रखा। आयुर्वेद एवं आधुनिक विज्ञान के बीच की खाई को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे मरीजों को अधिकाधिक लाभ मिल सके। नये रोगों के सृजन की अद्यतन जानकारी रखें तथा आयुर्वेद के सिद्धान्तों के आधार पर चिकित्सा करें। मुख्य अतिथि प्रो0 यदुनाथ प्रसाद दूबे, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ने संस्कृत एवं विज्ञान दोनों की आवश्यकता पर बल दिया। विषय को समझाना तथा विज्ञान के आधार पर जन सामान्य तथा वैज्ञानिकों को समझाना आज की आवश्यकता है। प्रो0 बिन्दा परांजपे, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये इतिहास के पठन–पाठन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास को भूलने से आयुर्वेद शास्त्र की जनमानस में उपयोगिता का आकलन मुश्किल है। हमारी प्राचीन परम्परा के रूप में आयुर्वेद का सम्मान बना रहे। यही विद्यार्थियों से अपेक्षा है। उन्होंने चिकित्सकों का आह्वाहन किया कि ऐसी व्यवस्था उत्पन्न करे, जिससे कोई भी व्यक्ति बिना चिकित्सा के असमय कालकवलित न हो। प्रकृति प्रधान इस देश में आयुर्वेद ही सर्वोत्तम चिकित्सा शास्त्र माना जा सकता है। आयुर्वेद के सिद्धान्त आज भी प्रासंगिक है।

डॉ0 एन0एस0 त्रिपाठी, डॉ0 सामू प्रसाद पाल, डॉ0 पी0एल0 शुखुआ को उनके योगदान के लिये स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अक्षय पाण्डेय, उमेश दत्त पाठक, वैद्य राजीव शुक्ल, डॉ अश्विनी गुप्त ने किया। डॉ0 सुभाष श्रीवास्तव, डॉ0 के0एम0 त्रिपाठी, प्रो0 जे0 एस0 त्रिपाठी, डॉ0 अजय पाण्डेय, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद आदि का विशेंष सहयोग रहा।

तिरूपति, आन्ध्र प्रदेश में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की योजना

आगामी दिनांक 13 एवं 14 फरवरी 2017 को तिरूपति, आन्ध्र प्रदेश में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सुनिश्चित है। इस अवसर पर 'ग्रामीण भारत के प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में आयुर्वेद चिकित्सा की आवश्यकता' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं आयुर्वेद चिकित्सकों, एक सम्मेलन भी आयोजित है। इसमें तेलगाना, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक एवं गोवा से अत्यधिक संख्या में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इसके अलावा देश के अन्य प्रान्तो से भी काफी संख्या में सदस्यों के भाग लेने की सूचना प्राप्त हुई है।

सम्पर्क सूत्र :– डा0 एम. भास्कर राव 09849147330, डा0 एस. दत्तात्रेय राव 09291333655, डा0 ए. शंकर बाबू 09440206572। संगोष्ठी की विस्तृत योजना परिषद के बेवसाईट पर उपलब्ध है। www. Vishwaayurveda.org

जबलपुर में धन्वन्तरी जयन्ती सम्पन्न

भारत सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष धन्वन्तरि जयंती को 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा के अनुरूप जबलपुर शहर में प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद परिषद् सहित नीमा, जबलपुर, आरोग्य भारती, आयुष मेडिकल एसोसिएशन, घमापुर मेडिकल एसोसिएशन, शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, सम्भागीय आयुष अधिकारी कार्यालय, शासकीय आयुष अधिकारी कार्यालय जबलपुर, आयुष चिकित्सकों, औषधि निर्माता कंपनियों के सहयोग से भव्य धन्वंतरि शोभा यात्रा शहर भर में निकाली गयी। 28/10/2016 प्रातः 7:45 शासकीय आयुर्वेद महाविधयालय एवं चिकित्सालय, ग्वारीघाट, जबलपुर से माननीय अखलिश्वर नन्द जी महाराज,नरसिंह जी महाराज के द्वारा भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना के साथ प्रारम्भ हुई शोभा यात्रा सिद्ध गणेश मंदिर, पोलीपाथर, साई मंदिर, रामपुर चौराहा, गोरखपुर चौराहा, छोटीलाइन, शास्त्री ब्रीज, तीनबत्ती चौराहा, मालवीय चौक से होते हुए महाराष्ट्र हाई स्कूल पर समाप्त हुआ। 'आयुर्वेद जिंदाबाद, भगवान धन्वंतरि जयंती की जय हो के जय घोष के साथ सैकड़ो आयुर्वेद चिकित्सकों, आयुर्वेद अनुरागियो की शोभा यात्रा का शहर के गणमान्य चिकित्सकों, नागरिकों के द्वारा जगह –जगह पर धन्वन्तरि भगवान की पूजा करके स्वागत सत्कार किया गया। जबलपुर शहर की महापौर डॉ स्वाति गोडबोले जी एवं पार्षदों के द्वारा तीन बत्ती चौराहा पर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। डॉ. जामदार की अध्यक्षता एवं डॉ पवन स्थापक, बी.जे.पी. नगर अध्यक्ष श्री जी. एस. ठाकुर, डॉ जी. डी. द्विवेदी, संभागीय आयुष अधिकारी, जबलपुर, डॉ अर्चना मरावी, जिला आयुष अधिकारी, जबलपुर की गरिमामयी उपस्थिति में सभी अथितियो के द्वारा चिकित्सा के आदिप्रवर्तक भगवान धन्वंतरि मंदिर को स्थापित करने का संकल्प लेते हुए धन्वन्तरि शोभा यात्रा का महाराष्ट्र हाई स्कूल गोल बाजार में समापन हुआ।

भाई उद्धव दास मेहता स्मृति आयुर्वेद परास्नातक पुरस्कार वितरण समारोह भोपाल में सम्पन्न

भोपाल में भाई उद्धव दास मेहता न्यास एवं विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा आयोजित अखिल भारतीय पी0जी0 आयुर्वेद विद्यार्थी निबन्ध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण भोपाल में सम्पन्न हुआ। साथ ही धन्वन्तरि जयन्ती एवं आयुर्वेद चिकित्सक सम्मान का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रीय स्वास्थ्य राजमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस अवसर पर बताया कि समाज को यदि स्वस्थ रखना है, तो आयुर्वेद अपनाना होगा। हमें पूरे विश्व में आयुर्वेद को स्थापित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की अति आवश्यकता है। यहाँ आयुर्वेद से इलाज किया जाय तो ग्रामीण क्षेत्र निरोगी होगा। केन्द्र सरकार आयुर्वेद को बढावा देने के लिये हर सम्भव प्रयास कर रही है। यह साइड इफेक्ट रहित पद्धति है, जिससे बहुसंख्य बीमारियों का इलाज सम्भव है। मध्य प्रदेश राजस्व मन्त्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि आयुर्वेद के विस्तार की बहुत सम्भावना है। केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर इस पर कार्य कर रही है। गैस राहत मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि आयुर्वेद में शोध किये जाने चाहिए। इससे आयुर्वेद के जरिये नई–नई पैदा हो रही बीमारियों का उपचार भी सम्भव है। सांसद आलो संजर ने आयुर्वेद को सर्वश्रेष्ठ पद्धति बताया। इस मौके पर महापौर आलोक शर्मा, डाबर इण्डिया के डॉ0 दुर्गा प्रसाद, विश्व आयुर्वेद परिषद् राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो0 बी0एम0 गुप्ता, वरिष्ठ साहित्यकार कैलाश पन्त, प्रसिद्ध समाज सेवी ओम मेहता सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डॉ0 सौरभ उडूपी को 11 हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार एवं स्वर्ण पदक, डॉ0 अभय अहिरवार को 7 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार एवं रजत पदक तथा सन्ध्या रानी को तृतीय पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रूपये एवं ताम्र पदक प्रदान किया गया। इसके अलावा मध्य प्रदेश के 17 आयुर्वेद चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।